>

Title: Issue regarding fear of communal violence in the country.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): महोदया, यह सीट परमानेंट खाली है। हमारी तो दीवार के बाहर हो गयी है।

अध्यक्ष महोदया : प्रभुनाथ सिंह जी, आप अपने स्थान से बोलिए। इस सदन का एक नियम है। आप अपनी सीट से बोलिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदया, विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने 84 कोसी परिक्रमा की घोषणा की थी, जिस पर उत्तर प्रदेश की सरकार ने प्रतिबंध लगाया है। उस प्रतिबंध के बाद भी बार-बार घोषणा और राजनीतिक पार्टी खास कर के भारतीय जनता पार्टी द्वारा सहयोग की घोषणा के बाद देश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने की स्थिति पैदा हो गयी है।...(व्यवधान) पूरा देश अभी संशय में बना हुआ है।...(व्यवधान) ऐसी परिस्थिति में अध्यक्ष महोदया इसमें भारत सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और जो लोग स्वयंभू हिन्दुओं का संरक्षक अपने को विश्व पैमाने का कहते हैं, हम को नहीं लगता है कि भारत में 1/99वां भाग भी उनको पसंद कर रहा है। वैसी स्थिति में जो राजनीतिक पार्टी ऐसे कामों में भाग लेती है, उनको राजनीति करने पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और उनका राजनीतिक रजिस्ट्रेशन रद्द करना चाहिए तथा देश को इस संशय से बचाना चाहिए कि भविष्य में कोई भी सांप्रदायिक सद्भाव इस देश में बिगड़ने नही पाए। यही हमारा आपसे आग्रह है।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आपने मुझे बोलने से पहले कुछ हिदायत भी किया था, मैं उसका पूरा पालन करते हुए अपनी बात कहना चाहूंगा। आज पूरे देश की एकता-अखण्डता को खतरा है। चीन और पाकिस्तान की सेनाएं देश में घुसपैठ कर रही हैं। दूसरी ओर देश में दैवीय आपदा जबरदस्त है, बाढ़-सुखाड़ के बारे में यहां चर्चा हुई और उत्तराखण्ड की त्रासदी सभी को मालूम है। इसके बावजूद भी देश में अमन, चैन, शांति को भंग करने मिनट रूक जाइए। मुझे बोलने तो दीजिए। â€¦(व्यवधान)के लिए कुछ संस्थाएं, कुछ राजनीतिक दल लगे हुए हैं। मैं उनका नाम लेना नहीं चाहूंगा।...(व्यवधान) एक

अध्यक्ष महोदया : उन्हें बोलने दीजिए। क्या हो गया?

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : उत्तर प्रदेश में 84-कोसी परिक्रमा की जो घोषणा हुई है, वह पूरे तरीके से असंवैधानिक है। उस पर रोक लगायी जाए। ऐसी शक्तियां जिन्होंने देश में पहले भी राम के नाम पर राजनीति की हैं, उन पर पाबंदी लगनी चाहिए। इसके पहले भी देश में अमन, चैन, शांति, क़ौमी एकता, सांप्रदायिक सौहार्द्र को नष्ट करने की पूरी कोशिश की गयी है।

हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से चाहेंगे कि ऐसी संस्था जो राम के नाम को बेच कर वोट लेना चाहती है या राम के नाम पर इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं, उन पर रोक लगे और उनकी मान्यता समाप्त की जाए। ...(व्यवधान)

श्री हुकमदेव नारायण यादव (मधुबनी): दूसरे पक्ष को भी बोलने का अवसर मिलना चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आप ने एक बहुत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय को रखने का मौका दिया है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : नीरज जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : अध्यक्ष महोदया, मैं अपने माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, यह सदन एक ऐसा फोरम है जहां पर सभी विषयों पर पूरी गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए, पूरी संवेदनशीलता से होनी

चाहिए।...(व्यवधान) हम भी उसी क्षेत्र से आते हैं। बस्ती मेरा जनपद है, अयोध्या मेरे क्षेत्र से मिला हुआ है। मैं वहां की परंपराओं से परिचित हूं। मैं हिन्दू हूं। मैं उन यात्राओं में शामिल होता हूं।...(व्यवधान) सभी को यह अधिकार होना चाहिए। चाहे वह पंचकोसी परिक्रमा हो या चौदह-कोसी परिक्रमा हो या 84-कोसी परिक्रमा हो, वहां परिक्रमाओं की इज़ाजत है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको बोलने का समय देंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको बोलने का समय देंगे। बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : उस अयोध्या में भगवान राम की राजधानी थी जिसे हम कौशलपुर के नाम से जानते हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको बोलने का समय देंगे। बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : भगवान राम की राजधानी कौशलपुर का जो इलाका था, वह पांच कोस का था इसलिए पंचकोसी परिक्रमा होती थी।...(व्यवधान) फिर उसके बाद जब भरत ने खड़ाऊं से राज किया तो उसका दायरा बढ़ाकर 14-कोसी की परिक्रमा की गयी क्योंकि उन्होंने अयोध्या के बाहर भरतपुर में रह कर इस परिक्रमा को शुरू किया था।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जो पंचकोसी परिक्रमा होती है, वह कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नौंवी को की जाती है।...(व्यवधान) जो 14-कोसी परिक्रमा होती है, वह हर साल देवोत्थानी एकादशी से की जाती है।...(व्यवधान) एकादशी के बाद यह माना जाता है कि भगवान राम विश्राम करते हैं। यह जो सावन, भादो, आषाढ़ का महीना है, उस क्वार, सावन, भादो, आषाढ़ महीने में सरयू नदी का जल बहुत ऊपर रहता है इसलिए कोई साधु-संत उस समय कोई परिक्रमा नहीं करते हैं और यह माना जाता है कि उस समय यह अशुभ लग्न है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब हो गया।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shrimati Bijoya Chakravarty.

...(*Interruptions*)

श्री जगदम्बिका पाल : चाहे 14-कोसी परिक्रमा हो या 84-कोसी परिक्रमा हो, विश्व हिन्दू परिषद् ने पिछले कुछ वर्षों में कभी इस तरह की यात्रा नहीं की।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आपका समय समाप्त हो गया। अब उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY (GUWAHATI): Madam, I am grateful to you. â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : यह कोई धार्मिक यात्रा नहीं है।...(व्यवधान) ये सियासी यात्रा शुरू कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपना भाषण समाप्त करें।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : अगर कोई सांप्रदायिक सौहार्द्र को बिगाड़ना चाहते हैं तो ये देश के गैर-जिम्मेदार लोग हैं।...(व्यवधान) 84-कोसी परिक्रमा 20 अप्रैल से मई तक होती है। इस समय भगवान राम विश्राम करते हैं।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्रीमती विजया चक्रवर्ती।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब सिर्फ़ इनका भाषण जाएगा।

...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय से श्री पन्ना लाल पुनिया और श्री कमल किशोर 'कमांडो' स्वयं को संबद्ध करते हैं।